हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 58 देहरादून, मंगलवार, 22 अगस्त, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

आपदा की मार पर कैबिनेट मंत्री डा. अग्रवाल ने बुलाई समीक्षा बैठक 3

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आर. के सिंह से की कई डिमांड, मिला आश्वासन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली , 22 अगस्त , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह से भेंट कर उत्तराखण्ड को कोयला आधारित संयंत्रों से 400-450 मे०वा० स्थायी आवंटन किए जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की ऊर्जा सुरक्षा के दृष्टिगत बेस लोड सुरक्षित किये जाने और राज्य को व्यापक विद्युत कटौती से मुक्त रखे जाने के लिए उत्तराखण्ड राज्य को कोयला आधारित संयंत्रों से 40 0मेगागावाट स्थायी आवंटन किया जाना अत्यन्त आवश्यक है।मुख्यमंत्री ने आपदा के कारण क्षतिग्रस्त हुई विद्युत लाइनों एवं टावरों को पुनर्स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार से सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि क्षतिग्रस्त लाइनों की क्षतिपूर्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाएगी, उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त विद्युत टावरों का सर्वे कराकर इसकी रिपोर्ट भारत सरकार को भेजी जाय, इसका परीक्षण कराकर प्रतिपूर्ति पर विचार किया जायेगा।मुख्यमंत्री ने बॉर्डर एरिया में विद्युत लाइनें एवं विद्युत संयंत्र शीघ्र स्थापित करने का अनुरोध किया। जिसके लिए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहाड़ी राज्यों के लिए मानक अलग से निर्धारित कर शीघ्र बॉर्डर एरिया में विद्युत लाइनें एवं विद्युत संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार को केंद्रीय पूल से अतिरिक्त विद्युत उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।केंद्रीय मंत्री ने इस पर सहमति प्रदान की।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सोलर ऊर्जा, हाइड्रो पावर एवं कोयला से विद्युत उत्पादन के लिए दीर्घकालिक योजना पर कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने माह अप्रैल से सितम्बर 2023 तक औसतन 300 मे०वा विद्युत प्रतिमाह अनएलोकेटेड कोटा से उपलब्ध कराए जाने के लिए केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य में ऊर्जा की कुल उपलब्धता में 60 प्रतिशत से अधिक जल ऊर्जा संयंत्रों से है जिसमें मौसमी परिवर्तन के साथ उपलब्धता में व्यापक उतार-चढ़ाव होता है एवं शीत ऋतु में उत्पादन लगभग एक तिहाई रह जाता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण की तकनीकी समिति ने अपनी रिपोर्ट में उत्तराखण्ड राज्य में बेस लोड की अनुपलब्धता स्वीकार करते हुए उत्तराखण्ड राज्य को कोयला आधारित संयंत्रों से अतिरिक्त रूप से लगभग 400 मे०वा० विद्युत उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने हेतु अपनी संस्तुति दी है। राज्य की ऊर्जा सुरक्षा के दृष्टिगत बेस लोड सुरक्षित किये जाने और राज्य को व्यापक विद्युत कटौती से मुक्त रखे जाने के लिए उत्तराखण्ड राज्य को कोयला आधारित संयंत्रों से 400 मेगावाट स्थायी आवंटन किया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

जिस पर केंद्रीय मंत्री ने सहमति व्यक्त की।केंद्रीय मंत्री आर के सिंह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को हर संभव सहयोग के प्रति आश्वस्त किया। केंद्रीय मंत्री ने किशाऊ बांध के संबंध में कहा कि सभी राज्यों से विचार विमर्श करने के बाद शीघ्र ही आपत्तियों का निस्तारण कर कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर सचिव ऊर्जा भारत सरकार पंकज अरोड़ा, सचिव ऊर्जा, उत्तराखंड आर मीनाक्षी सुंदरम एवं एमडी यूपीसीएल अनिल कुमार उपस्थित थे।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पुलिस के सुपर हीरो रहे डॉ राम सुरेश यादव बन गए आईपीएस

आम जनता के बीच किसी फिल्मी हीरो से कम नहीं है इनकी लोकप्रियता

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ लॉ एंड ऑर्डर को मुस्कराते हुए संभालने की कला में माहिर है

लखनऊ,21 अगस्त। उत्तर प्रदेश पुलिस की प्रांतीय सेवा के तेजतर्रार और लोकप्रिय पुलिस अधिकारी डॉ.राम सुरेश यादव आईपीएस बन गए है, 30 सालो की लंबी सेवा के बाद डॉ.यादव को प्रांतीय सेवा से आईपीएस में प्रोन्नति देकर आखिरकार सरकार उनको वो सम्मान दे ही दिया है जिसके वो लंबे समय से हकदार थे ।गौंडा ज़िले के मूल निवासी डॉ.यादव 1993 में प्रांतीय पुलिस सेवा के अधिकारी बने और इलाहाबाद विश्विद्यालय के गरिमामय इतिहास का गौरव बढ़ाया ,दर्शन शास्त्र से पीएचडी करने वाले डॉ यादव उत्कृष्ट सेवा देने के लिए पुलिस महानिदेशक द्वारा स्वर्ण और रजत पदक हासिल कर चुके है। फिलहाल सीतापुर में पीएसी की 27वी बटालियन के उप सेनानायक के पद पर तैनात है।डॉ.राम सुरेश यादव उत्तर प्रदेश में किसी भी दल की सरकार के दौरान अपने कर्तव्य,निष्ठा और कुशल पुलिसिंग के लिए जाने जाते है,अपराधियों के लिए प्रहार और जनता के लिए उपहार इनका स्वभाव है,पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नियुक्ति के दौरान डॉ.यादव ने बहुत बड़े बड़े और ब्लाइंड केसो का पर्दाफाश किया है जबकि किसी भी सांप्रदायिक दंगो को चुनौतियों को भी आगरा,मेरठ,गाजियाबाद ,पीलीभीत और मुरादाबाद जैसे जिलों में काफ़ी कुशलता से संभाला है।जनता के बीच ये अपने जिले में कप्तानों से ज्यादा चर्चित और लोकप्रिय रहे है।

मेरठ, मुरादाबाद, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर और पीलीभीत जैसे चुनौतीपूर्ण जिलों में कप्तान तो नही रहे मगर किसी भी कप्तान से कम नहीं रहा इनका रुतबा और लोकप्रियता

डॉ. यादव का मानवीय चेहरा भी है जो अक्सर छुपा रहता है, जहां जहा डॉ यादव की नियुक्ति रहती है वहा वहा ये साधारण व्यक्ति के तौर गरीब और जरूरतमंद परिवारों/बच्चों का पता लगाते है और कैमरों की पहुंच से दूर उनकी मदद करते है,वो चाहे शिक्षा से जुड़ी सहायता हो,या चिकित्सा या फिर किसी को रोज़गार मुहैया करवाना हो, हर जरूरतमंद के लिए किसी अवतार से कम नहीं,ये सब डॉ यादव अपने वेतन से प्राप्त धन से करते है।आखिर अब उत्तर प्रदेश सरकार इस दयावान पुलिस अफसर पर मेहरबान हुई है, 30 सालों की लंबी सेवा के बाद इन्हें आईपीएस तो मिल गया है लेकिन कप्तानी पर अभी संशय है क्योंकि डॉ यादव किसी भी नेता की परिक्रमा से दूर रहते है मगर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कुशल कार्यशैली के बड़े प्रशंसक है क्योंकि मुख्यमंत्री योगी ने जिस तरह प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर को पटरी पर लाने का काम किया है वो कोई देवीय शक्ति ही कर सकती है।

उत्तराखंड को केंद्र से मिलेगा 400 मेगावाट थर्मल पॉवर का अतिरिक्त कोटा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड को केंद्र से बिजली का अतिरिक्त कोटा अब बढ़ कर 400 मेगावाट मिलेगा। वो भी पूरी तरह थर्मल पॉवर के रूप में। अभी केंद्र से मिलने वाला अतिरिक्त कोटा सितंबर में समाप्त होने जा रहा है। सीएम पुष्कर धामी को दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने अतिरिक्त बिजली का कोटा देने की सहमति दी। दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से हुई मुलाकात में सीएम धामी ने कहा कि राज्य की बिजली जरूरतों की सुरक्षा के लिए बेस लोड सुरक्षित बेहद जरूरी है। इसके लिए राज्य को कोयला आधारित थर्मल प्लांट से 400 से 450 मेगावाट स्थायी बिजली का आवंटन किया जाए। उन्होंने अप्रैल से सितंबर 2023 तक औसतन 300 मेगावाट बिजली हर महीने देने पर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री का आभार जताया। कहा कि उत्तराखंड में बिजली की कुल उपलब्धता में 60 प्रतिशत से अधिक जल विद्युत परियोजनाओं का हिस्सा है। मौसम बदलते ही इससे बिजली की उपलब्धता में अंतर आ जाता है। सर्दियों में जल विद्युत परियोजनाओं से उत्पादन एक तिहाई रह जाता है। सीएम धामी ने कहा कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की तकनीकी समिति भी उत्तराखंड आकर जमीनी हालात को देख चुकी है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में भी उत्तराखंड में बेस लोड की अनुपलब्धता को स्वीकार किया है। समिति ने भी उत्तराखंड को कोयला आधारित प्लांट से लगभग 400 मेगावाट उपलब्धता सुनिश्चित कराने को अपनी संस्तुति दी है। ऐसे में राज्य को कोयला आधारित प्लांटों से 450 मेवा स्थायी आवंटन किया जाना बेहद जरूरी है। इस पर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने 400 मेगावाट अतिरिक्त बिजली केंद्रीय कोटे से राज्य को उपलब्ध कराने पर सहमति दी। इस अवसर पर सचिव ऊर्जा आर मीनाक्षी सुंदरम, एमडी अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

उत्तरकाशी बस दुर्घटना के 14 घायल एम्स में भर्ती

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश में भर्ती किए गए उत्तरकाशी बस दुर्घटना के 14 घायलों में से पांच की स्थिति गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों का एम्स की ट्रामा इमरजेंसी में उपचार चल रहा है। शहरी विकास मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल ने एम्स पहुंचकर घायलों का हाल जाना। उन्होंने एम्स प्रशासन से भी घायलों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उत्तरकाशी के गंगनानी क्षेत्र में हुई सडक़ दुर्घटना के 14 घायलों को रविवार देर रात एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया। मध्य रात्रि के बाद घायलों के एम्स पहुंचने पर ट्रामा चिकित्सकों की टीम ने घायलों का तत्काल इलाज शुरू कर दिया। भर्ती किए गए घायलों में चार महिलाएं और 10 पुरुष शामिल हैं। ट्रामा विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मधुर उनियाल ने बताया कि घायलों में से पांच लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। हालांकि सभी घायल बिना किसी वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं और आवश्यक जांचों के आधार पर सभी का उचित उपचार किया जा रहा है। ट्रामा चिकित्सकों के अनुसार गंभीर घायलों में 23 वर्षीय विवेक पुत्र मनीष पदारिया, भावनगर, 27 वर्षीय मुकेश कुमार पुत्र फूलचन्द्र (बस ड्राइवर) निवासी देहरादून, 52 वर्षीय रेखा बेन पत्नी महेश भाई निवासी गुजरात, 40 वर्षीय ब्रिजराज पुत्र जीवीहा निवासी भावनगर और 43 वर्षीय अशोक पुत्र बलवंत सिंह निवासी सूरत गुजरात शामिल हैं।

बच्चा गोद लेना होगा अब और आसान, मंत्रालय ने उठाए ये कदम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 अगस्त , किसी भी औरत के लिए उसका मां बनना पूर्णता का अहसास कराने के साथ-साथ उसके परिवार को भी पूरा करता है। ये अनुभूति बेहद खास होती है, लेकिन भारत देश में बच्चा गोद लेने का प्रक्रिया बेहद जटिल है। हमारे देश में बच्चा गोद लेने के लिए जरूरी नियम और कानून बनाए गए हैं, जिनके बारे में लोगों को पता होना जरूरी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब क्या नया सरलीकरण हुआ है आपको बताते हैं।

बच्चों की संख्या कम

केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (CARA) के अनुसार, गोद लेने की प्रणाली में कई समस्याएं हैं, लेकिन सबसे बड़ी दिक्कत ये है कि बहुत कम बच्चे हैं। आंकड़ों के अनुसार, गोद लेने वाले पूल में यानी एडॉप्शन पूल में केवल 2,188 बच्चे हैं, जबकि 31,000 से ज्यादा माता-पिता बच्चे को गोद लेने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यही कारण है कि कई परिवार एक बच्चे के अडॉप्शन के लिए तीन साल तक का इंतजार करने के लिए मजबूर हैं।

राहत के लिए उठाए जरूरी कदम

बच्चों की कमी का सबसे बड़ा फायदा बच्चों की तस्करी करने वालों को मिल रहा है, लेकिन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय लगातार इस प्रक्रिया को सुगम बनाने की राह में प्रयास करता रहता है कि कैसे महिला को बच्चा गोद लेने का सुख बेहद सरल तरीके से दिया जाए? इसी कड़ी में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने राष्ट्रीय बाल अधिकार आयोग के साथ वाराणसी में एक सम्मेलन किया, जिसके बाद कुछ जरूरी कदमों पर फैसला लिया गया है।

प्रक्रिया को बनाया गया सरल

दरअसल, सितंबर 2022 में किए गए बदलाव के परिणामस्वरूप उन संभावित गोद लेने वाले माता-पिता द्वारा साझा किए गए अनुभव द्वारा गोद लेने की प्रक्रियाओं को सरल करने पर प्रकाश डाला गया। फलस्वरूप त्वरित समाधान प्राप्त किया गया। किशोर न्याय अधिनियम, नियम और गोद लेने के विनियमों में संशोधनों की बात पर जोर दिया गया। अभी तक JJ Act में संशोधन किया गया है और गोद लेने के लिए डीएम को सशक्त बनाकर गोद लेने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है।

हे भगवान 13 पिन और 5 ब्लेड खा गया इंसान, डॉक्टर्स भी हैरान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 अगस्त , अब जो खबर सामने आयी है वो आपको चौंका देगी क्योंकि यकीन करना थोड़ा मुश्किल है कि इंसान के पेट से ब्लेड और पिन भी निकल सकती है लेकिन जनाब ऐसा हुआ है क्योंकि पुडुचेरी के अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने बीमारी व्यक्ति के पेट से 13 हेयरपिन, पांच सेफ्टी पिन और पांच रेजर ब्लेड निकाला है। दो घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद व्यक्ति ठीक है और सामान्य रूप से खा रहा है।

पेट से 13 पिन, 5 ब्लेड और 5 सेफ्टी पिन निकला

पुडुचेरी में एक डॉक्टरों की टीम को बड़ी उपलब्धि मिली है। यहां जीईएम अस्पताल के डॉक्टरों की एक टीम ने 20 वर्षीय व्यक्ति के पेट से 13 पिन, 5 ब्लेड और 5 सेफ्टी पिन निकाला है। बचपन से ही दौरे की बीमारी से जूझ रहे और मनोरोग से पीड़ित व्यक्ति को पेट में दर्द, खून की उल्टी और हफ्तों तक असामान्य रंग के मल की शिकायत के बाद 7 अगस्त को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ। के। शशिकुमार के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने मरीज का गहन मूल्यांकन किया। किसी भी विदेशी शरीर को निगलने से इनकार करने के बावजूद, एक एंडोस्कोपिक प्रक्रिया से पता चला कि उनके पेट में विदेशी सामग्री जमा हो गई है, जिसके परिणामस्वरूप 'फॉरेन बॉडी बेज़ार' नामक स्थिति उत्पन्न हुई।

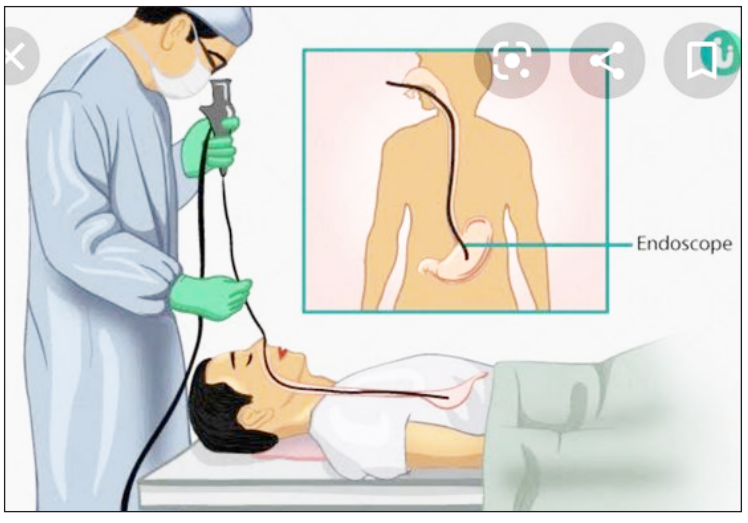

दो घंटे चला ऑपरेशन

सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. शशिकुमार और डॉ. के सुगुमरन, मेडिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ राजेश और एनेस्थेसियोलॉजिस्ट डॉ. रंजीत की एक टीम ने दो घंटे की लंबी प्रक्रिया में 13 हेयरपिन, 5 सेफ्टी पिन और 5 रेजर ब्लेड वाले 23 विदेशी निकायों को सफलतापूर्वक हटा दिया। दो घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद व्यक्ति ठीक था और सामान्य रूप से खा सकता था।

डॉ. सुगुमरन ने कहा कि मरीज के माता-पिता को शुरू में ओपन सर्जरी की आवश्यकता पर संदेह था। ऑपरेशन के बारे में मेडिकल टीम की विशेषज्ञ व्याख्या ने उन्हें आश्वस्त किया। व्यक्ति को अस्पताल से 9 अगस्त को छुट्टी मिल गई है। हालांकि, वह मनोवैज्ञानिक परामर्श से गुजर रहा है। जीईएम हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष और अग्रणी लेप्रोस्कोपिक और रोबोटिक सर्जन डॉ। सी पलानीवेलु ने मेडिकल टीम की सराहना की।

2 करोड़ महिलाओं को लखपति बनाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 अगस्त , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 77वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़कर काम कर रही हैं। अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के लिए साइंस एंड टेक्नोलॉजी के ज्यादा से ज्यादा से इस्तेमाल पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि बैंक से लेकर आंगनबाड़ी तक कोई मंच ऐसा नहीं है जहां महिलाएं अपना योगदान नहीं दे रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हर गांव में 'बैंक वाली दीदी', 'आंगनबाड़ी वाली दीदी', 'दवा देने वाली दीदी' काम कर रही है। और अब उनका सपना हर गांव में 'लखपति दीदी' हों है। इसी दौरान अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने देश की महिलाओं के लिए एक बड़ा ऐलान भी किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार लखपति दीदी योजना पर काम कर रही है। इस योजना के तहत दो करोड़ दीदीयों को लखपति बनाने का लक्ष्य है।

इसमें महिलाओं को सूक्ष्म उद्यम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा है। इसके तहत महिलाओं को ड्रोन के संचालन और मरम्मत, प्लंबिंग, LED बल्ब बनाने समेत कई क्षेत्रों में प्रशिक्षिण दिया जाएगा। ड्रोन उड़ान के तहत सेल्फ हेल्प ग्रुप के 15 हजार महिलाओं को खेती के क्षेत्र में ड्रोन के इस्तेमाल के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। साथ ही इन महिलाओं को ड्रोन उड़ाने और मरम्मत के लिए ट्रेंड किया जाएगा। दरअसल केंद्र सरकार कृषि क्षेत्र में तकनीक के ज्यादा से इस्तेमाल पर बल दे रही है।

धामी सरकार में जेपी जोशी और अमरेंद्र प्रताप सिंह बने एडिशनल एडवोकेट जनरल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 22 अगस्त , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड हाईकोर्ट में तैनात सरकार की भारी-भरकम वकीलों की फौज को कम करते हुए पुरानी टीम को हटाने का फैसला किया था. यानी हाई कोर्ट में सरकार की पैरवी करने वाले वकीलों के पूरे के पूरे पैनल को सरकार ने बदल दिया था, अब वकीलों के नए पैनल का ऐलान कर दिया गया है जो सरकार का पक्ष हाईकोर्ट के सामने रखेगी, नए पैनल में कुल 29 वकीलों को जगह दी गई है.

इस नई टीम में जेपी जोशी और अमरेंद्र प्रताप सिंह को नया एडिशनल एडवोकेट जनरल बनाया गया है, जबकि डिप्टी एडवोकेट जनरल सिविल के पद पर ममता बिष्ट, केएन जोशी और सुनील खेड़ा की नियुक्ति हुई है. डिप्टी एडवोकेट जनरल क्रिमिनल के पद पर नैनीताल और उधम सिंह नगर से सांसद और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट की पत्नी पुष्पा भट्ट, अमित भट्ट और विनोद कुमार जैमिनी की नियुक्ति की गई है. पूरन सिंह बिष्ट, पीसी बिष्ट, अनिल कुमार डबराल और गंगा सिंह नेगी को एडिशनल चीफ स्टैंडिंग काउंसिल बनाया गया है.

इसके अलावा जगदीश सिंह बिष्ट, इंद्रपाल कोहली, रंजन घिल्डियाल, सुयश पंत और योगेश चंद्र तिवारी को स्टैंडिंग काउंसिल बनाया गया है. कुलदीप सिंह रावल सरकार के नए असिस्टेंट गवर्नमेंट एडवोकेट होंगे. प्रमोद चंद्र तिवारी, वीरेंद्र सिंह रावत और राकेश कुमार जोशी के आपराधिक मामलों से जुड़े हुए ब्रीफ होल्डर होंगे, जबकि सिविल साइड से जुड़े मामलों के लिए पूजा बंगा, तरुण लखेरा, श्याम सुंदर चौधरी, मोहेंद्र सिंह बिष्ट, रमेश चंद्र जोशी, मोहित मौलेखी, सचिन मोहन सिंह मेहता और अंकुश नेगी ब्रीफ होल्डर का काम देखेंगे.

आपदा की मार पर कैबिनेट मंत्री डा. अग्रवाल ने बुलाई समीक्षा बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 22 अगस्त , क्षेत्रीय विधायक व कैबिनेट मंत्री डा. अग्रवाल ने ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र में भारी बारिश के कारण शहरी क्षेत्र वीरपुर खुर्द, चंद्रेश्वर नगर, मनसा देवी फाटक, मीरा नगर, मालवीय नगर, बापू ग्राम, अमित ग्राम, शिवाजी नगर जबकि ग्रामीण क्षेत्र में श्यामपुर, गुमानीवाला, खदरी खड़क माफ, रायवाला, छिद्दरवाला, खैरी खुर्द, भट्टोवाला, विस्थापित कॉलोनी में हुए जलभराव की स्थिति को लेकर प्रशासन के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान जलभराव की स्थिति जानते हुए आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही स्थानीय ग्रामीणों की समस्या जानते हुए भी मौके पर उप जिलाधिकारी, तहसीलदार को निर्देशित भी किया।

बैराज रोड़ स्थित कैंप कार्यालय में डा. अग्रवाल के समक्ष गुलजार फॉर्म खदरी और श्यामपुर के ग्रामीणों ने जलभराव से हुए नुकसान से अवगत कराया। डा. अग्रवाल ने मौके पर मौजूद उप जिलाधिकारी योगेश मेहरा को निर्देशित किाय। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम इन क्षेत्रों में जेसीबी लगाकर रूके हुए पानी का बहते हुए पानी की अवस्था में लाएं। ग्रामीणों ने डा. अग्रवाल को ज्यादातर लोगों के बीमार होने की भी जानकारी दी। जिस पर डा. अग्रवाल ने उप जिलाधिकारी को तत्काल फॉगिंग करने, मेडिकल टीम भेजने के निर्देश दिए। इस दौरान डा. अग्रवाल ने ग्रामीणों को मौके पर आकर नुकसान का जायजा लेने का भी आश्वासन दिया।

इस मौके पर प्रधान प्रतिनिधि खदरी शांति प्रसाद थपलियाल, मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा श्यामपुर सोनी रावत, सबर सिंह बिष्ट, अनिल भट्ट, शिव प्रसाद गैरोला, हरि सिंह बिष्ट, नरेंद्र नेगी, वीर सिंह रावत, शंभु प्रसाद सेमवाल, अनिल नौटियाल, रविंद्र गैरोला, प्रवीन नौटियाल, दौलत राम बडोनी, ललित मोहन बडोनी, नरेश कुमार पाल आदि उपस्थित रहे।

गुमानीवाला में टूटी पुलिया पर तुरंत वैली ब्रिज लगाए लोनिविः डा. अग्रवाल

ऋषिकेश। उप जिलाधिकारी योगेश मेहरा से समीक्षा बैठक के दौरान डा. अग्रवाल ने लोनिवि के अधिशासी अभियंता धीरेंद्र सिंह को दूरभाष पर निर्देश दिए। कहा कि गुमानीवाला में पुलिया टुटने पर वहां तुरंत वैली ब्रिज लगाया जाए। जिससे ग्रामीणों को दिक्कतें न पैदा हों।

रेंजर लगी फटकार, जंगल का पानी रोकने के मिले निर्देश

ऋषिकेश। डा. अग्रवाल ने समीक्षा बैठक के दौरान रेंजर से भी वार्ता की। उन्होंने कहा कि रेंजर की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए फटकार लगाई। कहा कि जंगल का पानी आबादी में न आए, इसके इंतजाम किए जाए।

आपदा के समय अवकाश लेने वाले कर्मचारी को करें सस्पेंड

ऋषिकेश। डा. अग्रवाल ने समीक्षा के दौरान कहा कि आपदा के समय जो भी कर्मचारी अवकाश पर जा रहे हैं, उनका स्पष्टीकरण लेकर उचित कार्रवाई करते हुए सस्पेंड किया जाए।

यह निर्देश भी दिए

- एमएनए नगर क्षेत्र में ब्लीचिंग पाउडर, फॉगिंग करें।
- 24 घंटे अधिकारी व कर्मचारी अपना फोन ऑन रखें।
- यहां स्थिति सामान्य हुई है वहां का आंकलन कर मुआवजा जल्द दें।
- मेडिकल की टीम भेजकर स्वास्थ्य का परीक्षण कराएं
- भोजन के पैकेट भेंजें, जहां कच्चा राशन की आवश्यकता हो, वह भी उपलब्ध कराएं।

स्मार्ट सीईओ सोनिका के स्मार्ट सिटी में स्मार्ट नागरिकों ने स्मार्ट एटीएम से पी लिया है अब तक 11 लाख लीटर शुद्ध जल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 22 अगस्त , जल ही जीवन है ये सिर्फ चन्द शब्द नहीं बल्कि हमारे जीवन की आधारशिला है। कोई भी जीव भोजन के बिना कुछ समय तक जीवन यापन कर सकता है लेकिन जल के बिना चन्द लम्हें भी मुमकिन नहीं, और न ही जीवनरूपी रचना अस्तित्व में आ सकती है। पानी के महत्व को तो हर इंसान बखूबी समझता है लेकिन यह जागरूकता भी आवश्यक है कि आप जो पानी पी रहे हैं वो स्वच्छ हो।

देहरादून स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अन्तर्गत देहरादून शहर के 24 स्थानों पर स्वच्छ एवं शीतल पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने हेतु विभिन्न स्थानों पर वाटर ए0टी0एम0 स्थापित किये गये हैं। जिसमें न्यूनदरों पर शुद्व पेयजल उपलब्ध करवाया जा रहा है। इन वाटर ए0टी0एम0 के माध्यम से वर्तमान समय तक लगभग 11 लाख लीटर स्वच्छ एवं शीतल पेयजल दूनवासियों को मुहैया करा जा चुका है। ऑटो मोड में होने से शहरवासी अपनी सुविधानुसार इनसे न्यूनदरों पर पानी प्राप्त कर सकते हैं। इन वाटर ए0टी0एम0 में किसी भी तरह की असुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑपरेटर की नियुक्ति भी की गई है।

पेयजल की निर्धारित दरें-

1रू0 में 300 मि0लि0

2रू0 में 300 मि0लि0 पानी कप के साथ

3रू0 में 1 लीटर पानी बिना पात्र के

14 रू0 में 5 लीटर पानी बिना पात्र के

डीआईजी दलीप सिंह कुंवर के नेतृत्व में "नशा मुक्त दून अभियान" के लिए डोईवाला पुलिस उतरी सड़कों पर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 22 अगस्त , मुख्य मंत्री उत्तराखण्ड पुष्कर धामी द्वारा उत्तराखण्ड को नशामुक्त बनाये जाने की परिकल्पना को साकार करने हेतु दलीप सिंह कुवँर (पुलिस उप-महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद देहरादून) द्वारा मादक पदार्थों के बिक्री/तस्करी एवं अवैध व्यापार पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं नशे के विरुद्ध आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य व सामुदायिक पुलिसिंग स्थापन हेतू नशा मुक्त दून जागरूकता अभियान के अन्तर्गत डोईवाला पुलिस द्वारा आदर्श औधोगिक स्वायत्ता सहकारिता समिति डोईवाला के सौजन्य से थाना डोईवाला क्षेत्रान्तर्गत विकास खण्ड डोईवाला सभागार मे जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम मे आमजन/विधार्थियो/अभि-वावको तथा थाना डोईवाला व रानीपोखरी पुलिस द्वारा प्रतिभाग किया गया। श्रीमान पुलिस उप-महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा कार्यक्रम मे उपस्थित आमजन/विधार्थियो प्रोत्साहित करते हुए नशे के दुष्प्रभाव व नशे की रोकथाम तथा नशे की प्रवृत्ति पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने हेतु देहरादून पुलिस को अपेक्षित सहयोग देने हेतु । कार्यक्रम मे महोदय द्वारा उपस्थित सभी लोगो को पुलिस द्वारा नशे की रोक-थाम व युवाओ को जागरूक करने हेतु किये जा रहे कार्यो की जानकारी देकर "नशा मुक्ति हेतु शपथ" ग्रहण करायी गयी।

जन-जागरूकता कार्यक्रम मे श्रीमति कमलेश उपाध्याय (पुलिस अधीक्षक ग्रामीण) व अभिनय चौधरी (क्षेत्राधिकारी डोईवाला) तथा मुकेश त्यागी (प्रभारी निरीक्षक डोईवाला) एवं थाना डोईवाला व रानीपोखरी के समस्त अधि0/कर्म0गण व ANTF देहरादून द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम को सफल व सार्थक बनाने हेतु आदर्श औधोगिक स्वायत्ता सहकारिता समिति डोईवाला के पदाधिकारियो द्वारा विशेष सहयोग दिया गया । पुलिस उप-महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा कार्यक्रम मे मौजूद महिलाओ/बालिकाओ को गौरा शक्ति एप्प की जानकारी देकर एप्प का व्यापक प्रचार-प्रसार कर एप्प संचालन की जानकारी देकर महिलाओ को जागरूक किया गया। कार्यक्रम थाना क्षेत्र मे निरन्तर रूप से अन्य शैक्षिक संस्थान व ग्राम सभा आदि मे प्रचलित रहेगा ।

तांशी आर्ट स्टूडियो पहुंच फिक्की फ्लो मेंबर्स ने की सभी आर्टिस्ट की तारीफ

■ आर्ट वॉग में की गई रेसिन आर्ट एवं चारकोल डेमोनस्ट्रेश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 अगस्त , तंशी आर्ट्स में चल रही आर्ट वॉग सीजन 4 के दूसरे दिन फिक्की फ्लो के मेंबर्स ने प्रतिभा कर सभी पेंटिंग्स का अनुकरण किया । उन्होंने सभी पेंटर्स का उत्साह वर्धन कर उनके कार्य की सराहना की । इस मौके पर फिक्की फ्लो से चेयरपर्सन अनुराधा मल्ला, हरप्रीत कौर, चारू चौहान, नेहा शर्मा आदि शामिल हुए। वहीं आज आयोजक स्मृति लाल की ओर से रेसिन आर्ट वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें सभी प्रतिभागियों एवं जो रेसिन आर्ट सीखना चाहते थे को रेसिन आर्ट की बारीकियां सिखाई। चारकोल स्केच आर्टिस्ट सुशील पाल ने लाइव डेमोंसट्रेशन दिया कि किस तरह से चारकोल स्केच बनाए जाते हैं । उन्होंने वहां पर मौजूद लोगों के स्केच भी बनाएं । जानकारी देते हुए आयोजक समृति लाल ने बताया कि यह प्रदर्शनी 31 अगस्त तक चलने वाली है और इसी तरह से अलग-अलग दिन कई सारी वर्कशॉप्स का आयोजन किया जाएगा।

केदारनाथ यात्रा में सितम्बर से आएगी तेजी

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम की यात्रा बरसाती सीजन के बाद फिर से तेज होने लगी है। हालांकि अभी बारिश के कुछ दिन और शेष हैं किंतु सितम्बर माह में केदारनाथ यात्रा में फिर से तेजी आएगी। बड़ी संख्या में तीर्थयात्री सुंदर मौसम के बीच बाबा केदार के दर्शन करने आएंगे। वहीं दूसरे चरण के लिए 8 हेलीकॉप्टर कम्पनियां भी अपनी सेवाएं शुरू करेंगे। केदारनाथ धाम की यात्रा पर अभी तक कुल 1200182 यात्री दर्शन कर चुके हैं। जबकि अगस्त के जाते-जाते अब धीरे-धीरे यात्रियों की संख्या में इजाफा होने लगा है। जबकि बरसात के दौरान यात्रियों की संख्या में कमी आ गई थी। बीते जुलाई और अगस्त के शुरुआती महीने में केदारनाथ के लिए औसतन 500 यात्री प्रतिदिन दर्शन करने आ रहे थे। जबकि कुछ दिनों से यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी होने लगी है। 17 अगस्त को केदारनाथ में 6234 यात्रियों ने दर्शन किए जबकि 18 अगस्त को 1558 यात्री केदारनाथ पहुंचे। 19 अगस्त को केदारनाथ में 1909 यात्री दर्शनों को पहुंचे। जबकि 20 अगस्त को 2057 यात्रियों ने दर्शन किए हैं। यात्रियों की यह संख्या अब सितम्बर आते ही और भी अधिक बढ़ेगी। सितम्बर और अक्तूबर दो महीने केदारनाथ की यात्रा काफी अच्छी चलेगी। इसी को देखते हुए प्रशासन, बीकेटीसी, नगर पंचायत, तीर्थपुरोहित और व्यापारी तैयारियों में लगे हैं। हर साल की तरह हेलीकॉप्टर कम्पनियां भी बरसात के बाद दोबारा केदारघाटी लौट जाएंगी। उम्मीद जताई जा रही है कि सितम्बर पहले सप्ताह 6 हेलीकॉप्टर कंपनियां केदारघाटी लौटकर दोबारा से अपनी सेवाएं शुरू करेंगी। दो कपंनिया पहले ही सेवाएं दे रही है। बीकेटीसी के अध्यक्ष अजेंद्र अजय एवं सीईओ योगेंद्र सिंह ने बताया कि सितम्बर में यात्रा फिर से अच्छी चलेगी। बीकेटीसी का पूरा प्रयास रहेगा कि यात्रियों को बेहतर से बेहतर सेवाएं दी जा सके।

संक्षिप्त खबरें

महाविद्यालय जखोली में कौशल विकास प्रशिक्षण शुरू

रुद्रप्रयाग। राजकीय महाविद्यालय जखोली में छः दिवसीय कार्यशाला का प्राचार्य डॉ.माधुरी व मास्टर ट्रेनर नवीन थपलियाल ने शुभारंभ किया है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.माधुरी ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से जहां छात्र-छात्राओं में आत्मवश्विास व कौशल का विकास होता है वहीं उनके जीवन पर्यंत काम आता है। मास्टर ट्रेनर नवीन थपलियाल ने छः दिवसीय प्रशिक्षण ले रहे छात्र-छात्राओं को रोजगार परक दक्षता और कुशलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने के साथ जॉब प्लेसमेंट के अवसरों के बारे में बताया है। इस अवसर पर स मौके पर महाविद्यालय के नोडल ऑफिसर डॉ. नंदलाल, डॉ. सुभाष कुमार, डॉ.भारती,प्रो.देवेश चंद्र, डॉ.विकास शुक्ला, डॉ.कविता अहलावत, डॉ.दलीप सिंह, सुमित बिजलवान आदि उपस्थित रहे।

लमगौंडी गांव से बदरी-केदार देवरा यात्रा के लिए निकली राज राजेश्वरी

रुद्रप्रयाग। केदारघाटी के लमगौंडी गांव से बदरी केदार देवरा यात्रा के लिए मां राजराजेश्वरी व बाणासुर महाराज की देव डोलियों ने प्रस्थान किया। देव डोलियां तीन दिनों तक लमगौंडी गांव में भ्रमण करने के बाद 24 अगस्त को बाबा विश्वनाथ की नगरी गुप्तकाशी में रात्रि विश्राम करेंगी। देव डोलिया 25 अगस्त को रात्रि प्रवास फाटा, 26 अगस्त को सीतापुर, 27 अगस्त को शिव पार्वती विवाह स्थल त्रियुगीनारायण, 28 अगस्त को गौरीमाई मंदिर गौरीकुंड, 29 से 31 अगस्त तक केदारनाथ धाम में, 1 सितम्बर को काली मंदिर कालीमठ, 2-3 सितम्बर को बैकुंठ धाम बदरीनाथ में रात्रि विश्राम करेंगे। उसके बाद 4 सितम्बर को वापसी गुप्तकाशी में, 5 सितम्बर को को अपने पौराणिक गांव लमगौंडी में व 6 सितम्बर को हवन व पूर्णाहुति के साथ देवरा यात्रा सम्पन्न होगी। देवरा यात्रा को लेकर लमगौंडी गांव के ग्रामिणों में उत्साह है। देव डोलियों के साथ सैकड़ों की संख्या में भक्त मौजूद हैं। देवरा यात्रा समिति के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र प्रकाश शुक्ला ने बताया कि 26 वर्षों बाद देव डोलियां बद्री केदार की देवरा यात्रा पर जा रही हैं।इस अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष अजय जुगरान,सचिव भाष्कर पोस्ती, संरक्षक सुरेन्द्र शर्मा, व्यवस्थापक सुधिर पोस्ती, श्रीनिवास पोस्ती, किशन अवस्थी, प्रेम प्रकाश जुगरान, बीरेन्द्र शर्मा, सुरेश बगवाड़ी, हर्षवर्धन जुगरान, प्रधान अखिलेश सजवान, क्षेपंस दुर्गेश बाजपेई सहित कई ग्रामीण भक्त मौजूद रहे।

युवाओं ने फेरी बोट संचालन में प्राथमिकता की मांग उठाई

नई टिहरी। टिहरी के स्थानीय युवाओं ने पुनर्वास निदेशक से टिहरी बांध की झील में फेरी बोट संचालन हेतु स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने की मांग की है। युवाओं ने इस संबंध में पुनर्वास निदेशक को ज्ञापन भी दिया। सोमवार को स्थानीय युवाओं ने टिहरी बांध की झील में फेरी बोट संचालन हेतु पुनर्वास विभाग द्वारा निकाले गये ओपन टेंडर का विरोध किया। उन्होंने कहा कि बांध की झील में पूर्व से स्थानीय युवा फेरी बोटों का संचालन करते आये है, ऐसे में स्थानीय युवाओं को बोट संचालन में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बोट यूनियन के अध्यक्ष लखवीर सिंह चौहान ने कहा पूर्व से स्थानीय युवाओं द्वारा झील में फेरी बोट का संचालन किया जा रहा है, उन्होंने पुनर्वास निदेशक से स्थानीय युवाओं को उनके अनुभव के आधार पर उन्हें बोट संचालन में प्राथमिकता दिये जाने की मांग की है। कहा इस बार पुनर्वास विभाग ने फेरी बोट संचालन के लिये ओपन टेंडर निकालकर बाहरी लोगों को भी फेरी बोट संचालन के लिये आमंत्रित किया है। उन्होंने पुनर्वास अधिकारी से स्थानीय युवाओं को टेंडर प्रकिया में प्राथमिकता देने की मांग की है। कहा कि स्थानीय युवाओं को फेरी बोट संचालन में प्राथमिकता नहीं दी जाती है, तो वह आंदोलन के लिये बाध्य होंगे। मांग करने शैलेन्द्र चौहान, विवेक पंवार, प्रवीन रावत, अनुज उनियाल, आशीष रावत, संदीप रावत आदि शामिल हैं।

सिर्फ कैश ही नहीं ATM मशीन के हैं कई फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 अगस्त , एटीएम यानी ऑटोमेटेड टेलर मशीन, एक जमाने में इस मशीन को छुट्टे पैसे देने के लिए डिजाइन किया गया था. बाद में ये लोगों के लिए कैश निकालने का अहम साधन बन गई है. हम सभी कैश निकालने के लिए कभी ना कभी एटीएम मशीन गए ही होंगे, लेकिन कभी आपने सोचा है कि ये ATM मशीन बैंकिंग से जुड़े कई और काम भी निपटा सकती है.एटीएम मशीन आज की तारीख में बैंकिंग सर्विस का गुलदस्ता बनती जा रही है. इसमें कई ऐसे फीचर्स होते हैं जो आपके बैंकिंग से जुड़े कई काम आसान कर देते है. इनमें ये 8 काम आप लगभग हर बैंक की एटीएम मशीन पर पूरा कर सकते हैं.एटीएम मशीन कस्टमर्स को उनके खाते से कैश विड्रॉल की सुविधा देती है. साथ ही ये 8 फाइनेंशियल सर्विस पूरी करने के भी काम आती है.

साभार : सो.मी.

कार्ड 2 कार्ड ट्रांसफरः अधिकतर बैंकों की एटीएम मशीन पर आपको एक डेबिट कार्ड से दूसरे डेबिट कार्ड में सीधे पैसा ट्रांसफर करने की सुविधा मिलती है. इस तरह ये 'कार्ड 2 कार्ड' ट्रांसफर की मदद से एक खाते से दूसरे खाते में पैसा बिना बैंक ब्रांच जाए भेजा जा सकता है. देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के एटीएम पर ऐसे ट्रांसफर की लिमिट 40,000 रुपये तक है.

क्रेडिट कार्ड का पेमेंटः आप एटीएम मशीनों से अपने क्रेडिट कार्ड के बिल का पेमेंट कर सकते हैं. विशेषतौर पर वीजा कार्ड कंपनी ने पेपरलेस पेमेंट को प्रमोट करने के लिए अधिकतर बैंकों के एटीएम पर ये सर्विस दी है.

बीमा प्रीमियम का भुगतानः आप अपने जीवन बीमा की किस्त का भुगतान भी एटीएम मशीन पर कर सकते हैं. एलआईसी के अलावा एचडीएफसी लाइफ और एसबीआई लाइफ के बीमा की किश्त एटीएम मशीन से भरी जा सकती हैं.

चेक बुक की रिक्वेस्ट : आपकी चेकबुक खत्म हो गई और आपके पास बैंक ब्रांच जाने का टाइम नहीं है. आपकी इस समस्या का समाधान है एटीएम मशीन पर 'चेक बुक रिक्वेस्ट' का फायदा उठाना.

बिलों का भुगतानः बिजली का बिल हो और आप एटीएम कैश निकालने गए हों, तब आप एटीएम मशीन से ही इनका भुगतान कर सकते हैं. देश के अधिकतर राज्यों के इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड ने खुद को बैंकों की एटीएम मशीनों पर लिस्ट किया हुआ है.

मोबाइल बैंकिंग का रजिस्ट्रेशन : आप चाहते हैं कि आपके बैंक अकाउंट से जुड़ी सारी अपडेट आपको मोबाइल पर मिलें. आप इस सर्विस को अपने फोन पर एक्टिवेट कराने के लिए एटीएम मशीन की मदद ले सकते हैं.

पिन में बदलाव : आप अपने एटीएम कार्ड का पासवर्ड यूं तो ऑनलाइन बदल सकते हैं. लेकिन अगर आप कभी एटीएम गए को, तो यहां पर भी आप इस काम को बखूबी कर सकते हो.

अकाउंट में ट्रांसफर : आप 'कार्ड 2 कार्ड' ट्रांसफर के अलावा सीधे खाते में भी एटीएम मशीन से पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं. इसके लिए आपको बस जिस अकाउंट में पैसे ट्रांसफर करने हैं, बचत या चालू , उसका खाता नंबर पता होना चाहिए.

कैश ऑन डिलीवरी में भी खतरा, बच कर करें शॉपिंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 अगस्त , अगर आप ऑनलाइन शॉपिंग के शौकीन हैं तो ये जानाकरी आपके काम की है. कैश ऑन डिलीवरी में भी खतरा हो सकता है ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान इन बातों का खास ध्यान रखें.अगर आप भी हर दिन ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं और स्कैम के डर से कैश ऑन डिलीवरी का ऑप्शन लेते हैं तो सावधान हो जाएं. दरअसल इन दिनों में आई कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैश ऑन डिलीवरी भी उतना सेफ ऑप्शन नहीं रहा है. स्कैमर हर दिन एक नई ट्रिक के साथ मार्केट में उतरते हैं और कस्टमर्स से पैसे हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं. अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर कैश ऑन डिलीवरी में क्या ही स्कैम होगा? सामान गलत होगा तो पैसै नहीं देंगे, लेकिन आपको बता दें कि आप जितना सोचते हैं शायद उससे भी ज्यादा स्कैमर्स सोचते हैं. स्कैमर्स अब यूजर्स को धोखा देने के लिए एक नया तरीके अपना रहे हैं.

साभार : सो.मी.

कैश ऑन डिलीवरी में क्या है खतरा ?

आजकल कुछ यूजर्स के पास ऐसे प्रोडक्ट पहुंच जाते हैं जिसमें डिलीवरी बॉय दावा करता है कि ये सामान आपने ऑर्डर किया है. वहीं अगर आप सामान लेने से मना करते हैं और पैसे नहीं देते हैं तो डिलीवरी बॉय कस्टमर केयर में कॉल करने को कहता है, इसके बाद ऑर्डर कैंसिल कराने को कहता है. जब आप ऑर्डर कैंसिल कराने के लिए कॉल करते हैं तो सामने वाला इंसान आपको एक ओटीपी बताने को कहता है. जब आप ओटीपी शेयर कर देते हैं तो आपके बैंक से सारे पैसे निकल जाते हैं.

ऑनलाइन शॉपिंग में बरतें सावधानी

जब भी ऑनलाइन शॉपिंग करें तो ऑफिशियल प्लेटफॉर्म से करें. कोई भी कॉल कर के या लिंक शेयर कर के ओटीपी मांगे तो उसे ना दें.जो सिचुएशन ऊपर बताई गई है अगर आपके साथ ऐसा होता है तो इस बात का ध्यान रखें कि आपने कोई प्रोडक्ट अगर ऑर्डर ही नहीं किया है तो उसे कैंसिल भी आप नहीं कराएंगे. जो प्रोडक्ट लेकर आया है उसे कहें कि आप खुद कैंसिल करें. ऐसे में आप लोकल पुलिस स्टेशन में जाकर FIR भी करा सकते हैं.

अगर अमेजन, फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म से सामान आया है और आपको कोई भी गड़बड़ी लगती है तो तुरंत कस्टमर सपोर्ट में बात करें.ध्यान दें कि किसी भी लिंक या अंजान इंसान को ओटीपी शेयर ना करें. इससे आपकी मेहनत की कमाई को खतरा हो सकता है और आप अपने सारे पैसे गवा सकते हैं.

महिलाओं ने स्वयं अतिक्रमण हटाया

चमोली। दशोली विकास खंड का कौंथ पोथनी गांव इन दिनों आपदा की मार झेल रहा है। गांव के चारों ओर से भूस्खलन और भूधंसाव हो रहा है। पैदल रास्ते और सडक़ों का नामोनिशान मिट गया है। महिलाओं को चारापत्ती लेने के लिए भी भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों की अतिक्रमण की शिकायत पर कुछ दिनों पूर्व गांव में तहसील और वन विभाग की टीम पहुंची थी। टीम ने अतिक्रमण करने वालों को तीन दिनों के भीतर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। लेकिन तीन दिन गुजर जाने के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटा। तब महिलाओं ने बैठक करके खुद ही अतिक्रमण हटाने का फैसला लिया। रविवार को महिला मंगल दल अध्यक्ष दीपा देवी और सरपंच सरिता देवी के नेतृत्व में सुरेशी देवी, आशा कठैत, पुष्पा, मीरा, उर्मिला, सोनिया, मंजू, माहेश्वरी देवी, सरोज, कविता देवी ने अतिक्रमण हटाकर अपनी वन पंचायत की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर दिया। महिलाओं ने वहां से हरी घास भी निकाली। और साफ तौर पर कहा कि यदि फिर अतिक्रमण हुआ तो फिर से सभी समूह बनाकर अतिक्रमण को हटा देंगी। वन विभाग के अधिकारियों ने भी महिलाओं के साहस की प्रशंसा की है।

आधार अपडेट करने का नोटिफिकेशन आये तो हो जाइये सावधान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 अगस्त , देशभर में ऑनलाइन ठगी का मामला तेजी से बढ़ रहा है। सबसे ज्यादा मामला आधार अपडेट को लेकर सामने आ रहे हैं। फ्रॉड करने वाले लोगों को फोन करके या लिंक के जरिए ठगी का शिकार बना रहे हैं। कई बार लोगों के पास फोन आते हैं और आधार अपडेट करने को लेकर कहा जाता है इसके बाद ईमेल या आपके मोबाइल पर एक लिंक भेजा जाता है और उसपर क्लिक करते ही फ्रॉड हो जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लोगों के पास आधार कार्ड को अपडेट करने के लिए डॉक्युमेंट्स को ईमेल या व्हाट्सएप से भेजने के मैसेज मिल रहे हैं। ऐसे में अगर आपके पास भी ऐसे मैसेज आए हैं, तो आपको सतर्क रहने की आवश्यक्ता है। क्योंकि ये मैसेजेस आपको चिंता में डाल सकती है।

UIDAI ने लोगों को किया आगाह

यूआईडीएआई ने इस मामले को देखते

हुए लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है। UIDAI ने कहा है कि वह किसी को भी आधार अपडेट करने के लिए ग्राहकों के पर्सनल डॉक्यूमेंट को व्हाट्सएप या ईमेल के माध्यम से भेजने के लिए नहीं कहता है। विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। बता दें कि, आधार जानकारी को अपडेट करने के लिए ईमेल या WhatsApp के माध्यम से लिंक भेजने की कोई आधिकारिक प्रक्रिया नहीं है। ऐसे में अगर आपको भी इस प्रकार का लिंक आता है, तो आपको सतर्क रहने की जरूरत है।

गोपेश्वर कॉलेज के छात्रावास का खाली कराया

चमोली। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर का भागीरथी छात्रावास भू धंसाव से खतरे की जद में आ गया है। सतर्कता और परिस्थिति को देखते हुए कॉलेज प्रशासन ने छात्रावास को खाली करवा दिया गया है। वहां रहने वाले सभी छात्रों को कॉमर्स की बिल्डिंग में शिफ्ट कर दिया है। पीजी कॉलेज गोपेश्वर में भागीरथी छात्रावास में 16 अगस्त की रात को भू धंसाव हो गया। जिससे भवन का आंगन पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। उसके आगे का पुस्ता नीचे बैठ गया है। जिसके चलते यहां पर रहने वाले 34 छात्रों को कॉमर्स के भवन के एक हॉल में शिफ्ट कर दिया गया है। इसके आगे बिजली का पोल भी खतरे की जद में आ गया है।

कर्णप्रयाग-धारडुंग्री-नैनीसैंण-बगोली को राज्य मार्ग का दर्जा दिया जाए

चमोली। न्याय पंचायत मुख्यालय कंडारा में आयोजित कपीरी विकास संघर्ष समिति की बैठक में डिम्मर-सुमल्टा-बणेसोली मोटर मार्ग पर निविदा आमंत्रित करने, किमोली और ग्वाड़ सडक़ के सुधारीकरण सहित कर्णप्रयाग-धारडुंग्री-नैनीसैंण-बगोली मोटर मार्ग को राज्य मार्ग का दर्जा दिए जाने की मांग उठाई गई। समिति के अध्यक्ष खिलदेव सिंह रावत की अध्यक्षता और महामंत्री महिपाल सिंह के संचालन में आयोजित बैठक में कपीरी रोड पर नगर पालिका कर्णप्रयाग द्वारा प्रस्तावित कूड़ा निस्तारण केंद्र का पुरजोर विरोध करने का निर्णय लिया गया। साथ ही कपीरी और दशोली की दो दर्जन से अधिक ग्राम पंचायतों के लिए निर्माणाधीन पेयजल योजना कांडा-मैखुरा के निर्माण में बरती जा रही लापरवाही की उच्चस्तरीय जांच करने की मांग भी उठाई गई। बैठक में गांवों में जर्जर हुए बिजली के खंबों को बदलने और झूलते तारों की मरम्मत करने पर भी चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि बैठक में पारित सभी प्रस्तावों को लेकर समिति का प्रतिनिधिमंडल संबंधित विभागों के अधिकारियों से वार्ता कर निस्तारण करने की मांग करेगा। बैठक में समिति का विस्तार करते हुए प्रत्येक ग्राम सभा से दो-दो सदस्य मनोनीत किए गए। वहीं सभी प्रधान गणों को, सभी क्षेत्र पंचायत सदस्यों को पदेन सदस्य बनाया गया। बैठक में समिति को मजबूती प्रदान करने के लिए पूर्व प्रमुख नरेन्द्र सिंह भंडारी को संरक्षक बनाया गया।

एसीएस राधा रतूड़ी ने मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों के कसे पेंच

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 22 अगस्त , अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने मुख्यमंत्री कार्यालय के कार्मिकों को पत्रावलियों के त्वरित निस्तारण तथा अनावश्यक आपत्तियां ना लगाने की कड़ी हिदायत दी है। एसीएसी रतूड़ी ने कार्मिकों से स्पष्ट कहा कि राज्य में ई ऑफिस व्यवस्था को सरकारी कामों के सर-लीकरण व जन-समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए ही लागू किया गया है। अधिकारी-कार्मिक जनसामान्य की शिकायतों के निस्तारण के लिए नियमों के तहत सरल रास्ता निकालने का प्रयास करें न कि अनावश्यक आप्पतियां लगाये। उन्होंने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से जरूरतमंदों को दी जानी वाली आर्थिक सहायता डीबीटी की तरह सीधे एवं जल्द से जल्द लाभार्थियों को मिले इसके लिए आवेदन का एक स्टेडर्ड फोर्मट जल्द तैयार किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर सचिवालय में मुख्यमंत्री कार्यालय के कार्मिकों की बैठक लेते हुए एसीएस राधा रतूड़ी ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री कार्यालय पूरे प्रदेश में सबसे महत्वपूर्ण कार्यालय है। यह सभी कार्यालयों के लिए पथप्रर्दशक है। मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप कार्मिक ऑनरशिप की भावना से कार्य करें।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के कड़े निर्देश हैं कि मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी व कार्मिकों की कार्यशैली पर किसी भी प्रकार का प्रश्नचिह्न नही लगना चाहिए। यहां पर कार्यरत अधिकारियों एवं कार्मिकों से सर्वोच्च निष्ठा की अपेक्षा की जाती है। कार्मिकों को संवेदनशीलता के साथ जनसामान्य से भी अच्छा व्यवहार बनाये रखना चाहिए व पूरी ईमानदारी से कार्य करना चाहिए।

एसीएस राधा रतूड़ी ने सीएम कार्यालय के सभी अधिकारियों व कार्मिकों को उनके नाम से किए जा सकने वाले साइबर फ्रोर्ड से भी सर्तक रहने तथा किसी भी प्रकार के साइबर फ्रोर्ड की शिकायत एसएसपी (एस-टीएफ) को करने की सलाह दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय में रिकॉर्ड कीपिंग की बेहतर व्यवस्था करने, पत्रावलियों के कुशल रखरखाव करने, वीडिंग के माध्यम से पुराने अनावश्यक सामान को हटाने, कार्यालयों में स्वच्छता रखने, आधुनिकतम कम्पयूटर हार्डवेयर व अन्य सामानों की व्यवस्था के भी निर्देश दिए। एसीएस रतूड़ी ने मुख्यमंत्री कार्यालय के समस्त छः अनुभागों के मध्य बेहतर कार्य आवंटन पर बल दिया। बैठक में सचिव एस एन श्री पाण्डेय, अपर सचिव जगदीश काण्डपाल, ललित मोहन रयाल, मुकेश थपलियाल , मुख्यमंत्री कार्यालय के सभी छः अनुभागों के अनुभाग अधिकारी, समस्त समीक्षा अधिकारी, समस्त सहायक समीक्षा अधिकारी व अन्य कार्मिक उपस्थित थे।

चमोली जनपद में नशे को जड़ से मिटाने का संकल्प

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 22 अगस्त , एन.सी.ओ.आर.डी.के तहत सभी जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ करवायी गयी जनपद स्तरीय NCORD कमेटी की मासिक बैठक में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति/कारोबार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से गठित NCORD कमेटी की विकास भवन सभागार गोपेश्वर में मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय एन0सी0ओ0आर0डी0 की मासिक बैठक सभी जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आहूत की गयी। चमोली जनपद को नशामुक्त करने हेतु उक्त बैठक में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गईः-

1- कारागार में निरुद्ध ऐसे कैदी जो नशे के आदी है उनकी जेल अधीक्षक द्वारा समय-समय पर काउंसलिंग करायी जाएगी।

2- विद्यालयों में योग एवं मेडिटेशन कार्यक्रम आयोजित किये जायें।

3- स्वास्थ्य विभाग,ड्रग इंस्पेक्टर व पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रुप से हर माह 02 बार अनिवार्य रुप से जनपद के समस्त तहसीलों में मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी की जाए।

4- राष्ट्रीय राजमार्गों पर भांग की खेती न करने के संबंध में फ्लैक्सी बैनर लगाये जाएंगे।

5- विद्यालयों में "एक युद्ध नशे के विरुद्ध" के संबंध में स्लोगन व लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।6- नशा मुक्ति से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली आदि का आयोजन किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी महोदय ने जनपद को नशामुक्त करने के लिए विभाग को पुलिस विभाग का सहयोग करने हेतु निर्देशित किया गया।

बैठक में सभी विभागों को भविष्य में आपसी समन्वय स्थापित करते हुए चमोली जनपद में नशे को जड़ से मिटाने तथा ड्रग्स के स्त्रोत तक पहुँचते हुए रोकथाम हेतु नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

न रुलाये प्याज, इसलिए केंद्र सरकार ने उठाया बड़ा कदम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 अगस्त , दिल्ली-एन-सीआर समेत देशभर में टमाटर के दामों में कमी आई है तो आने वाले समय में प्याज के बढ़े दाम लोगों के आंसू निकाल सकते हैं। इससे किचन का बजट एक बार फिर गड़बड़ा सकता है। मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर के अलावा देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में प्याज के दामों में तेजी से इजाफा हो रहा है।

वर्तमान में दिल्ली में प्याज 30 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक रहा है, वहीं मुंबई में शनिवार को ही प्याज की कीमत 80 रुपये पहुंच गई।आगामी कुछ दिनों में प्याज की कीमत 50 रुपये प्रति किलोग्राम के पार जा सकती है। यह भी जानकारी सामने आ रही है कि अच्छी गुणवत्ता के प्याज की कीमत सितंबर महीने में 60 रुपये प्रतिकिलो तक जा सकती है।यह भी जानकारी सामने आई है कि दिल्ली में प्याज की कीमत तेजी से बढ़ रही है। कुछ इलाकों में एक किलो प्याज के लिए 37 रुपये तक चुकाने पड़ रहे हैं, जबकि रियाहशी इलाकों में प्याज 50 रुपये किलोग्राम तक बेचा जा रहा है।टमाटर की तरह प्याज के दाम आम आदमी की जेब से बेकाबू ना हो जाएं, इसलिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा और अहम कदम उठाया है। इसके बाद प्याज का निर्यात करना महंगा होगा और देश में प्याज की उपलब्धता बढ़ेगी। केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत ड्यूटी लगा दी है। यह ड्यूटी आगामी दिसंबर तक लगाई गई है।

राजस्व वसूली में तेजी लाएं अफसर

पौड़ी। जिला स्तरीय राजस्व संवद्वन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक में डीएम ने एनआईसी कक्ष में बैठक में विद्युत, परिवहन, आबकारी, खनिज न्यास, वन विभाग, निबंधक, सिंचाई अदि विभागों के निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष धीमी प्रगति को बढ़ाने के निर्देश दिए। राजस्व संवद्वन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक में डीएम डा.आशीष चौहान ने संबंधित विभागो को राजस्व संवद्वन में सक्रियता से कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। राजस्व संवद्वन के तहत सम्भागीय परिवहन कार्यालय पौड़ी व कोटद्वार द्वारा 26 फीसदी, भूतत्व एवं खनिकर्म द्वारा 19 फीसदी, आबकारी विभाग द्वारा 48 फीसदी, वन विभाग द्वारा 17 फीसदी राजस्व वसूला गया है। डीएम ने राज्य कर विभाग श्रीनगर को सीजीएसटी व एसजीएसटी की अलग-अलग रूप से डिटेल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। राज्य कर विभाग की कोटद्वार शाखा को सिडकुल से आने वाले राजस्व की डिटेल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डे, खनन न्यास अधिकारी रवि नेगी, राज्य कर आयुक्त श्रीनगर चंचल चौहान, डीटीडीओ प्रकाश खत्री, एसडीओ विद्युत गोविन्द रावत आदि शामिल थे।

दुकानों को हटाने को लेकर जिला प्रशासन और दुकान स्वामियों के बीच हुई तीखी नोकझोंक

पौड़ी। पौड़ी-श्रीनगर हाईवे पर उद्यान विभाग के पास स्थित नगरपालिका द्वारा बसाई गई दुकानों को हटाने को लेकर जिला प्रशासन और दुकान स्वामियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस दौरान युवा कांग्रेसियों ने भी मौके पर पहुंचकर प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल खड़े करते हुए नारेबाजी की। जिला प्रशासन के मुताबिक यह दुकानें एनएच पर अतिक्रमण कर बनाई गई है। कोर्ट के आदेश के बाद इन दुकानों को हटाया जा रहा है। दुकानें खाली करने के लिए दो दिन का समय मिलने के बाद हंगामा शांत हुआ। सोमवार को जिला प्रशासन की टीम सुबह 11 बजे जेसीबी लेकर इन दुकानों को लेकर पहुंची। इस दौरान दुकान स्वामी जेसीबी के आगे खड़े हो गए। इस दौरान उनकी टीम के साथ जमकर नोकझोंक शुरू हो गई। दुकान स्वामियों का आरोप था कि सांसद गढ़वाल ने पिछले दिनों उनको दूसरी जगह पर दुकान देने का आश्वासन दिया था लेकिन अब जिला प्रशासन इस बात से साफ इंकार कर रहा है और सांसद द्वारा दिए गए आश्वासन का लिखित आदेश मांग रहा है।

बच्चा अपहरण सिंडिकेट का किया हरिद्वार पुलिस ने पर्दाफाश

■ सभी बच्चों को बरामद करना हमारी प्राथमिकता: एसएसपी हरिद्वार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 22 अगस्त , थाना कलियर में 29 मई 2023 को पिरान कलियर निवासी साजदा द्वारा शिकायत देते हुए बताया कि बीती रात दरगाह परिसर में सोते समय किसी अंजान शख्स ने उनका 06 महीने का लड़का आहद का अपहरण कर लिया है। मामले की जानकारी होते ही थानाध्यक्ष कलियर ने प्रकरण की गंभीरता को समझते हुए तत्काल उच्चाधिकारीगण को प्रकरण के बारे में सूचना दी गई।

बच्चा अपहरण के मामले में एसएसपी श्री अजय सिंह द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर टीमें गठित करते हुए एसपी देहात स्वप्न किशोर सिंह के पर्यवेक्षण में बच्चे की बरामदगी के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान प्रकाश में आया की उक्त महिला के गर्भकाल के दौरान ही कथित पति-पत्नी अशफाक व नाजिमा तथा अन्य महिला सुजाता द्वारा बच्चे की खरीद फरोख्त के लिए पीड़िता से सम्पर्क किया था किन्तु पीड़िता साजिदा ने बच्चे को बेचने को मना कर दिया।

प्रकरण के हिसाब से महत्वपूर्ण तथ्य प्रकाश में आने पर थाना कलियर पर सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर

तीनों संदिग्धों से थाने पर गहन पूछताछ की गई तो अभियुक्तों ने विभिन्न स्थानों से बच्चा अपहरण/खरीद फरोख्त करना स्वीकार करते हुए 03 बच्चों को बेचने की बात बताई। जिनमें से एक बच्चा पिछले वर्ष होली के दौरान अमरोहा में बेचना तथा दूसरा बच्चा बिचौलिए साजन के माध्यम से चिल्काना सहारनपुर में बेचना प्रकाश में आया। एक अन्य बच्चे के सम्दर्भ में गैंग से सिलसिलेवार/कड़ी दर कड़ी सूचना एक-त्रिकरण की जा रही है। गैंग से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने एक बच्चे को चिल्काना से सकुशल बरामद किया गया। दरगाह क्षेत्र से बच्चे की अपहरण/खरीद फरोख्त सम्बन्धी प्रकरण में गैंग की संलिप्तता के सन्दर्भ में जांच जारी है।

पकड़े गए अभियुक्तों को भी जान लीजिये -

1. अशफाक पुत्र रईस निवासी पदार्था थाना पथरी 2. नजमा पत्नी अशफाक निवासी ग्राम पदार्था पथरी 3. सुजाता पत्नी तरंग पाठक निवासी मोहल्ला चाहसरा बिजनौर 4. मोहित कंचल पुत्र नवनीत कंचल निवासी चिल्काना सहारनपुर (खरी-ददार) 5. अनिल शर्मा उर्फ साजन पुत्र विश्वामित्र निवासी करनाल हरियाणा (बिचौलिया)6. नदीम हुसैन पुत्र अनवर हुसैन निवासी ग्राम लापरा यमुनानगर हरियाणा

बाढ़ से न घर बचा और न खेती, मुआवजा भी नहीं मिला

रुडक़ी। प्रह्लादपुर का किसान संजीव पशोपेश में है। बाढ़ से उसकी पूरी फसल बर्बाद हो गई। जलभराव से रहने का मकान गिरा, तो उसमें रखा चावल, आटा, गेहूं भी बह गया। उनके पास न खाने को कुछ बचा है, न ही रहने को मकान बचा है। दो माह से परिवार तिरपाल के नीचे रह रहा है। सरकारी मदद भी अभी उस तक नहीं पहुंची है। प्रहलादपुर निवासी संजीव के परिवार में कुल सात लोग हैं। संजीव, उसकी पत्नी मुकेश, बड़ा बेटा सागर, पुत्रवधु रोशन, बेटी खुशी और छोटे बेटे शिवम व सावन अपने छोटे से मकान में एक साथ रहते हैं। उनके पास खेती की जमीन बिल्कुल नहीं है। वह मेहनत मजदूरी करके परिवार पालता है। इस बार उसने गांव के किसान की थोड़ी सी जमीन हिस्से पर लेकर धान लगाया था। धान का बीज, खाद भी परिचित की दुकान से उधार लेना पड़ा। जुलाई में बाढ़ ने उसकी धान की सारी फसल बर्बाद कर दी। घर के तीन तरफ बाढ़ का पानी भरा रहने से उनका मकान भी ध्वस्त हो गया।

सरकार से अधिक मुआवजें की मांग

रुडक़ी। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विकास त्यागी ने कहा कि जनपद हरिद्वार में बारिश से आई आपदा में किसानों को भारी नुकसान हुआ है। भाजपा के नेताओं ने नुकसान का जायजा लिया और पानी में खड़े होकर फोटो खिंचवा कर इतिश्री कर दी। खजूरी गांव में किसानों की बैठक में उन्होंने कहा कि खानपुर तथा लक्सर के किसानों को सरकार की ओर से जो मुआवजा दिया जा रहा है, वह काफी कम है। कहा कि गन्ने की फसल तैयार करने में 15000 प्रति बीघा की लागत आती है। कहा कि सरकार लागत के हिसाब से किसानों को मुआवजा दे। कहा कि किसान मजदूर तथा छोटे दुकानदार भाजपा सरकार में तबाह हो गए हैं। इस दौरान प्रदीप त्यागी, यशवीर सिंह, भोला सिंह, विजय त्यागी, राजपाल सिंह, सूरजपाल ,योगेश त्यागी, नीरज त्यागी, विषम सिंह, जयवीर, सुशील कुमार, विनीत कुमार, सुलेमान मलिक, इसरार हमद, साहिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

संपादकीय

'लूना' से 'चंद्रयान-3' तक

चांद के दक्षिणी ध्रुव की सतह पर उतरने से पहले ही रूस का 'लूना-25' क्रैश हो गया। रूस का एक ऐतिहासिक और महत्वाकांक्षी मिशन नाकाम हो गया। विनष्ट होने से पहले अंतरिक्ष यान ने 'असामान्य परिस्थिति' के संकेत दिए थे। वैज्ञानिकों ने उसे दुरुस्त करने की कोशिशें भी कीं। यान को 'इंपल्स' (एक किस्म का धक्का) दिया गया, लेकिन 'लूना-25' बेकाबू हो गया। प्री लैंडिंग कक्षा में पहुंचने से पहले ही 'लूना-25' से संपर्क टूट गया। अंततः रविवार 20 अगस्त, 2023 को चंद्रमा की सतह से टकरा कर यह 'रूसी मिशन' ध्वस्त हो गया। टुकड़े-टुकड़े होकर नष्ट हो गया। इस तरह एक और वैज्ञानिक, अंतरिक्ष इंजीनियरिंग का प्रयास नाकाम साबित हो गया। यह भी स्थापित हो गया कि चांद पर लैंड करना बेहद जटिल और 'ट्रिकी' प्रक्रिया है। यह इसरो के वैज्ञानिकों ने भी माना है। चांद पर जाने और अनुसंधान करने के रूसी अभियान तब शुरू किए गए थे, जब यह देश 'सोवियत संघ' होता था। 'लूना' ऐतिहासिक अभियानों का नामकरण है, जिसके तहत लूना-9, लूना-16, लूना-13, लूना-11, लूना-5, लूना-7, लूना-6 और लूना-24 अभियानों को चांद पर भेजा गया। यह आगाज 2 सितंबर, 1958 को किया गया और यह सिलसिला 22 अगस्त, 1976 तक जारी रहा। 'लूना' नामधारी कई अभियान सफल रहे, लेकिन रूस के अस्तित्व में आने के बाद उसका यह प्रथम और प्रतिष्ठित 'चंद्रमा मिशन' था, जिस पर करीब 1700 करोड़ रुपए खर्च किए गए। रूस ने यूक्रेन के साथ युद्ध के दौरान ही यह 'मून मिशन' भेजा था। चांद के दक्षिणी धुरव की सतह पर 'लैंड' करने का लक्ष्य तय किया गया था, क्योंकि वहां अभी तक अमरीका और चीन भी उतर नहीं पाए हैं। भारत के 'चंद्रयान-3' का लक्ष्य भी दक्षिणी ध्रुव की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग का है, लिहाजा अब 'अग्नि-परीक्षा' हमारे मिशन की है। 'लूना-25' के विनष्ट होने के बाद भारतीय 'विक्रम लैंडर' का लैंडिंग समय बदल कर सायं 6.04 बजे तय किया गया है। पहले इसे 23 अगस्त को सायं 5.47 बजे उतरना था। इस तारीख का भी अपना महत्व है, क्योंकि चंद्रमा पर जहां 'विक्रम लैंडर' को उतरना है, वहां सूर्य की रोशनी होगी और यह प्रकाश पर्याप्त समय तक रहेगा। अलबत्ता दक्षिणी ध्रुव पूरी तरह 'अंधकारमय' रहता है और वहां का तापमान -230 डिग्री सेल्सियस से भी ज्यादा रहता है। चांद का एक दिन हमारे एक वर्ष के समान होता है, लिहाजा इसरो के वैज्ञानिकों ने उचित गणना की कि कब वहां सूर्य का प्रकाश रहेगा। इस तरह हमारा अभियान ऊर्जा के फालतू संसाधन खर्च करने से बच गया। चूंकि हम भी 'चंद्रयान-2' की अंतिम क्षणों में नाकामी झेल चुके हैं, लिहाजा इस बार अतिरिक्त बंदोबस्त किए गए हैं और सावधानियां भी बरती गई हैं। हमारा एकमात्र लक्ष्य है कि 'चंद्रयान-3' एक मील-पत्थर साबित हो और हम चांद पर इतिहास लिख सकें। हालांकि 'लूना-25' और 'चंद्रयान-3' में कई बुनियादी अंतर हैं, लेकिन चांद पर जाने वाले अंतरिक्ष मिशनों का एक ही साझा लक्ष्य है कि चांद पर पानी, मिट्टी, खनिज, जलवायु, गुरुत्वाकर्षण और इनसानी जिंदगी की संभावनाओं का अध्ययन करना। बेशक हमारे मिशन नाकाम रहे, लेकिन हमारे जो भी यान अंतरिक्ष में घूम रहे हैं, वे हमें लगातार फोटो भेजते रहे हैं। अर्थात अनुसंधान और सूचनाएं जारी हैं। अब हमारा 'विक्रम लैंडर' चांद की सतह से मात्र 25 किलोमीटर दूर रह गया है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

संक्षिप्त खबरें

कर्मचारियों का एक दिवसीय सम्मेलन का समापन

हरिद्वार। भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश मंत्री सुमित सिंघल ने कहा कि संगठन किसी राजनैतिक दल का अंग नहीं है। संगठन का इतिहास गौरवशाली रहा है। शिवालिक नगर के सामुदायिक केंद्र में रविवार देर शाम संगठन के तीसरे सम्मेलन के समापन पर उन्होंने कामगारों को संबोधित किया। सरकार योजनाओं का लाभ कामगारों तक पहुंचाने, उनके हकों की लड़ाई लडने की बात कही। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ललित पुरोहित ने कहा कि संघ के कार्यकर्तायों ने संकल्प लिया है कि संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी के आदर्शों पर चलकर कामगारों के हितों की लड़ाई लड़ते रहेंगे। उन्होंने कामगारों से अपील की की जिन इकाइयों से उनका घर परिवार चलता है। उनमें बेहद ईमानदारी से काम करें। इस दौरान राजेंद्र कापड़ी, राजीव बहुगुणा, पारस वशिष्ट, नरेंद्र आर्य, नरेंद्र सिंह मेहता, विपिन कुमार चौहान, अनुज सैनी आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ कार्य बहिष्कार जारी

हरिद्वार। उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय में शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ का कार्य बहिष्कार सोमवार को भी जारी रहा। कर्मचारी संघ के अध्यक्ष खीमानंद भट्ट, राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चतुर्थ वर्गीय संघ के प्रदेश अध्यक्ष केके तिवारी, संरक्षक अशोक राणा ने कहा कि कर्मचारियों की मांगों के प्रति विवि प्रशासन उदासीन बना है। संध्या रतूड़ी और लक्ष्मी उनियाल ने कहा कि विवि प्रशासन अगर चतुर्थ श्रेणी कर्मियों की पदोन्नति पर कोई ठोस काम नहीं करता है तो धरना प्रर्दशन जारी रहेगा। संघ की उपाध्यक्ष सुनीता चंद तिवारी, बीना मठपाल, चंदन सिंह चौहान ने कहा कि विवि प्रशासन कार्मिकों को बार बार झूठा आश्वासन दे रहा है। अध्यक्षता दिनेश ठाकुर, संचालन मोहित मनोचा ,चंद्र प्रकाश ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान कोषाध्यक्ष अनिल नेगी, शैलेश, चतुर्थ श्रेणी संघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश लखेड़ा, नीमा, नित्या, राकेश कुमार, समीर पांडेय, मीनाक्षी गौड़, सुरेंद्र सिंह, जगजीत सिंह, कमल कुमार, नितिन कुमार, चंद्रपाल, रोहित कुमार, राजपाल, मोनिका वर्मा, चंद्र कला, सतीश कुमार, बृजेश, दिलबर सिंह सत्कारी, रमेश पंत, रामपाल, आशुतोष, उपासना, कुसुम, अनुभा भट्ट आदि मौजूद रहे।

संस्कृत विश्वविद्यालय ने 31 तक बढ़ाई एडमिशन की तिथि

हरिद्वार। उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय प्रशासन ने एडमिशन की तिथि 31 अगस्त तक बढ़ा दी है। विवि परिसर में संचालित पाठ्यक्रम में एडमिशन के लिए सीयूईटी और समर्थ पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन की अनिवार्यता नहीं होगी। उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलसचिव गिरीश कुमार अवस्थी ने बताया कि एमए योग प्रथम वर्ष को छोडक़र जिन पाठ्यक्रम में सीटें खाली हैं, उन सभी में छात्रों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर सीधे एडमिशन दिया जाएगा। विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रम में एडमिशन के लिए छात्र-छात्राएं कॉलेज परिसर स्थित कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। विश्वविद्यालय की अधिकृत वेबसाइट पर भी एडमिशन से संबंधित जानकारी अपलोड की गई है। कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में व्यासायिक के साथ ही परंपरागत पाठ्यक्रम भी संचालित की जा रहे हैं। अंतिम तिथि 31 अगस्त के बाद छात्र-छात्राओं के एडमिशन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

10 लाख रु0 तक बढ़ाई शिक्षकों की क्रेडिट लिमिट

हरिद्वार। राजकीय प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षकों, कर्मचारियों के खातों की सोमवार को उत्तराखंड ग्रामीण बैंक ने क्रेडिट लिमिट दस लाख रुपये तक बढ़ा दी है। राजकीय प्राथमिक शिक्षक एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने कहा कि पहले सीसीएल में 25 लाख रुपये था। लेकिन अब इसको बढ़ाकर 35 लाख रुपये किया गया है। इस योजना का वही शिक्षक लाभ उठा सकते हैं। जो सेवा में स्थाई हों, उत्तराखंड राज्य में कार्यरत होने के साथ-साथ राजकीय प्राथमिक शिक्षक एसोसिएशन के सदस्य हैं। या जिन्होंने कम से कम दो वर्ष की नियमित और संतोषजनक सेवा पूरी कर ली है। जिला महामंत्री दर्शन सिंह पंवार ने कहा कि ऐसे शिक्षक और कर्मचारी जिनकी तीन वर्ष की सेवा शेष रही हो, उनका वेतन खाता इसी बैंक की किसी भी शाखा में होना अनिवार्य है।

मातृसदन की सुरक्षा को पुलिस गंभीर नहीं : शिवानंद

हरिद्वार। स्वामी शिवानंद ने कहा कि मातृसदन की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन गंभीर नहीं है। अभी तक डीएम और एसपी ने उनसे संपर्क करना उचित नहीं समझा। उन्होंने कहा कि मातृसदन कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के लिए तैयार है। सोमवार दोपहर बाद मातृसदन में पत्रकार वार्ता करते हुए शिवानंद ने कहा कि पूर्व में मातृ सदन की शिकायत पर डीएम और एसएसपी मातृ सदन में आकर घटना की जांच करते थे। लेकिन वर्तमान में लगातार दो घटनाएं घटित हुईं, लेकिन अभी तक डीएम-एसएसपी ने मातृ सदन आना उचित नहीं समझा। उनका कहना है कि पुलिस प्रशासन ने मातृ सदन में घटित घटनाओं को मामूली बताते हुए रफादफा करने का प्रयास किया है। पिछले दिनों घटित दोनों घटनाओं से पता चलता है कि मातृ सदन के खिलाफ साजिश रची जा रही है।

लक्सर में अन्य 27 सरकारी स्कूल भी चमकाए जाएंगे

रुडक़ी। लक्सर के 27 और सरकारी स्कूलों में शिक्षा के संसाधन और गुणवत्ता बढ़ाई जाएंगी। सीएम के साथ अधिकारियों की बैठक के बाद प्लान इंडिया ने दूसरे चरण में इन स्कूलों का चयन किया है ।रिलेक्सो फुटवियर्स के मुख्य वित्त अधिकारी सुशील बत्रा तथा सीएसआर हेड गंभीर अग्रवाल ने देहरादून में सीएम धामी से मुलाकात की। बताया कि उनकी संस्था प्लान इंडिया खानपुर के सरकारी स्कूलों में आदर्श परिवर्तन परियोजना के तहत 2018 से शिक्षा की गुणवत्ता और संसाधन बढ़ाने का काम कर रही है। वहां 61 स्कूलों में उनकी जरूरत के मुताबिक मुख्यद्वार, शौचालय, चाहरदीवारी, स्टेज, पेयजल स्टेशन और ध्वजारोहण स्थल बनाए गए हैं। यहां साढ़े सात हजार छात्र-छात्राओं को 57 हजार कापियां, पेंसिल किट, ड्राइंग बुक, कलर दिए गए हैं। शिक्षकों, छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और एसएमसी (स्कूल प्रबंधन समिति) के सदस्यों को प्रशिक्षण देकर जागरूकता बढ़ाई गई है।

किसानों को लाभ पहुंचा रही एसीटोबेक्टर जैविक खाद

रुडक़ी। पर्यावरण संरक्षण और रासायनिक खाद के अत्यधिक प्रयोग से भूमि को रहे नुकसान से बचाने के लिए गन्ना समिति इकबालपुर ने पिछले साल किसानों के लिए जैविक खाद की व्यवस्था की थी। पिछली बार गन्ना समिति इकबालपुर ने लगभग 1000 किलो की मात्रा में एसीटोबेक्टर जैविक खाद मंगाई थी। उस समय किसान जैविक खाद को ज्यादा तवज्जो नहीं दे रहे थे। लेकिन एसीटोबेक्टर जैविक खाद का रिजल्ट देखने के बाद किसान इसकी काफी मांग कर रहे हैं। इकबालपुर गन्ना विकास परिषद के ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक प्रदीप वर्मा ने बताया कि खाद के उपयोग के बाद गन्ना, धान, गेहूं आदि की बढ़ी उत्पादकता को देखकर इस साल जैविक खाद की मांग काफी बढ़ गई है।

24991 आपदा प्रभावितों को मिले 13 करोड़ 32 लाख 61 हजार : महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 22 अगस्त , दैवीय आपदा से घरों को हुए नुकसान, परिवारों में मानव या पशु क्षति, भूमि कटाव और किसानों की फसलों को हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति की भरपाई के लिए सरकार द्वारा जनपद के 24991 प्रभावितों को अब तक 13 करोड़ 32 लाख 61 हजार की धनराशि की सहायता दी जा चुकी है। जानकारी देते हुए जनपद के प्रभारी मंत्री और प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि 19 जुलाई 2023 को जब उन्होंने जनपद के आपदा प्रभावित क्षेत्रों मोहम्मदपुरबुजुर्ग, लंढौरा, मुंडनाना, साउथ सीवर लाइन, खानपुर, मोहनपुर, रूड़की स्थित गणेशपुर, रेलवे स्टेशन, पनियाला भगवानपुर बाजार, जौनपुर से मोहम्मदपुर बुजुर्ग तटबंध, एवं बिरला टायर फैक्ट्री का भ्रमण किया किया तो हालातों का जायजा लेने के पश्चात प्रभावितों को फौर मदद देने के साथ साथ

मैंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से पानी में डूबे क्षेत्रों को आपदाग्रस्त क्षेत्र करने, लोगों के तीन माह के बिजली, पानी के बिल माफ करने और बैंकों से ऋण वसूली पर फिलहाल रोक लगाने का अनुरोध किया था।

मुझे खुशी है कि मुख्यमंत्री ने इन सभी मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए जनता को प्रभावित क्षेत्रों को आपदाग्रस्त क्षेत्र घोषित करने के साथ-साथ तीन माह के पानी, बिजली के बिल माफ करने और बैंकों से तीन माह तक ऋण वसूली पर रोक लगाने को कहा है। जनपद के प्रभारी मंत्री महाराज ने कहा कि जनपद के आपदा प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को प्रदेश सरकार लगातार मदद देने का प्रयास कर रही है। जनपद के आपदा प्रभावित कुल 6336 लाभार्थियों को अभी तक 01 करोड़ 37 लाख 9 हजार की धनराशि की सहायता दी जा चुकी है जबकि 761 लाभार्थियों, जिनके घरों को आपद से नुकसान पहुंचा है उन्हें गृह अनुदान के अन्तर्गत भी तक 44 लाख 41 हजार 300 रुपये की फौरी सहायता दी जा चुकी है।

महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के आपदाग्रस्त क्षेत्रों में जिन लोगों के परिवारों में मानव या पशु क्षति हुई है ऐसे 29 लाभार्थियों को 319100 रुपये की धनराशि दी गई है। वहीं प्रभावित 17805 किसानों को फसल क्षतिपूर्ति की भरपाई के 10 करोड़ 89 लाख 25 हजार की धनराशि की सहायता प्रदान की गई है। इसके अलावा भूमि कटाव से हुई क्षति के तहत 60 लाभार्थियों को 436398 की धनराशि दी गई है।उन्होंने कहा कि जनपद की नदियों का चैनेलाईजेशन करवाने और समुचित ड्रेनेज की व्यवस्था के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। मनसा देवी मंदिर में हो रहे भूस्खलन की जांच के लिए उत्तराखंड भूस्खलन शमन केंद्र और उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को भू-तकनीकी (Geotechnical), स्थलाकृतिक (Topographical) और भूभौतिकीय (Geophysical) जांच करायें जाने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रेम रोग भी एक तूफानी बीमारी है, जानिए लक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 अगस्त , प्यार एक ऐसी फीलिंग होती है जो हर किसी के लिए एकदम नहीं होती है कुछ लोगों को ही जल्दी तो कुछ लोगों को देर से समझ में आती है लेकिन इसका एहसास हर किसी को अपनी लाइफ में एक बार तो हो ही जाता है। लेकिन कई बार यही फीलिंग तनाव का कारण बन जाती है और आपको बेहद स्ट्रेस देने लगती है तब आपको लगता है कि ऐसा नहीं होना चाहिए था ऐसा तब होता है जब आप प्रेम में उलझने लगते हैं। इस सिचुएशन मैं इंसान खुद को अकेला समझता है और समझ नहीं लगता है कि वह दुनिया से अलग है जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं होता है ऐसे स्थिति में विभिन्न प्रकार में बदलाव आने लगते हैं। आइये जानें कैसे होती हैं ऐसी फीलिंग , प्रेम रोग एक भावनात्मक आंधी की तरह होती है जो जब आप किसी के प्रति दीवानेपन से भर जाती हैं। आपकी नज़र हर वक्त अपने साथी पर टिकी रहती है। जब हमें किसी से प्यार होता है तो भूख और प्यास नहीं लगती। दिल बेचैन रहता है और कहीं मन भी नहीं लगता। प्यार में पड़े व्यक्ति का हाल कुछ ऐसा हो जाता है, जिसे वो छुपा भी नहीं पाता और बता भी नहीं पाता है। ऐसी स्थिति को हम प्यार रोग कहते हैं।आपको उसका अन्य लोगों से मिलना जुलना पसंद नहीं आता है। वो कैसे कपड़े पहने कैसे रहे आपको हर समय उसकी चिंता होती हैं।

प्रेम रोग एक विशेष व्यक्ति या उसके गुणों के प्रति लगाव के बारे में जरूरी से अधिक विचार करने का कारण बन सकती है। आप खुद को उस व्यक्ति के बारे में लगातार सोचते पा सकते हैं जिससे आप प्रेम करते हैं। इसके अलावा व्यवहार में भी काफी परिवर्तन हो सकता है। आप जानते हैं कि आप प्रेमरोग में हैं जब आप अपने आस-पास सही मायनों में बदलने लगते हैं ताकि आपकी प्रेम कहानी के लिए एक जगह बन सके। आपके प्रेमरोग की पसंदों को आपके नियम बना दिया जाता है। और आप शायद खुद को उन्हें प्रभावित करने के लिए बिना इरादे की कोशिश कर रहे होते हैं ।

प्रेम में अधिक सोचना

प्रेम रोग में अक्सर इमोशनल फेज की ओर ले जाती है। आप उस व्यक्ति के बारे में सोचकर खुद को संतुष्ट और एक्सिसिटेड महसूस कर सकते हैं और खुशी से उछल पड़ सकते हैं, जब आप उन्हें पसंद करते हैं, लेकिन जब हकीकत समय की तरफ़ बढ़ने लगती है, तो दुख, चिंता, या बिना किसी कारण की भी जलन के क्षणों का अनुभव कर सकते हैं।

स्पेशल फील करना

प्रेमरोग आपके ध्यान अपनी ओर केंद्रित करने में चुनौती पैदा कर सकती है या ऐसी गतिविधियों में शामिल होने में जो पहले आपकी ध्यान आसानी से आकर्षित कर लेती थी। आपकी मनसिकता उस व्यक्ति के विचारों में फिर से चली जाती है जिनके प्रति आप प्रेम करते हैं। किसी के साथ सपनों में लीन होना और उनके साथ मनोबल होने की भावनाओं को आपके मन को ध्यान देने में कठिनाई पैदा कर सकता है।

साभार : सो.मी.

ग्राम प्रधान के भाई की कार पर ताबड़तोड़ फायरिंग

रुडक़ी। बहन को उसकी ससुराल छोडक़र देर रात वापस कार से घर लौट रहे ग्राम प्रधान के भाई पर बदमाशों ने कातिलाना हमला करते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। जिसमें कार चालक को करीब चार गोलियां लगी हैं। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। एक अस्पताल में उसका उपचार चल रहा है। घटना के बाद से बदमाश फरार चल रहे हैं। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के गांव भगवानपुर चंदनपुर के ग्राम प्रधान नौशाद अली की बहन का विवाह कोतवाली क्षेत्र के ही गांव बिझौली में हुआ है। ग्राम प्रधान नौशाद अली की बहन पिछले कुछ दिनों से अपने मायके आई हुई थी, जिसको छोडने के लिए रविवार की शाम उसका छोटा भाई शहरान अली अपने साथी गुलशाद के साथ कार से उसकी ससुराल गया था। रात में वहां से लौटते समय उन्हें काफी देर हो गई थी। बताया गया है कि कार गुलशाद चला रहा था। रात में जब वह वापस लौट रहे थे तो बिझौली फ्लाई ओवर के नीचे बने अंडरपास पर जैसे ही उनकी कार पहुंची तभी एक स्कूटी सवार ने अपनी स्कूटी उनकी कार के आगे लगा दी। दोनों ने घटना के संबंध में जानना चाहा, इसी दौरान आरोपी ने अपने पास से पिस्टल निकालकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बराबर में बैठे शहरान अली बच गए, लेकिन कार चालक गुलशाद पुत्र मकसूद, निवासी ग्राम भगवानपुर चंदनपुर थाना कोतवाली मंगलौर को चार गोलियां लगी। दोनों कुछ समझ पाते इससे पहले ही आरोपी अपनी स्कूटी लेकर मौके से फरार हो गया। घटना को लेकर क्षेत्र के लोगों में काफी आक्रोश बना हुआ है। सोमवार सुबह ग्रामीण कोतवाली पहुंचे तथा आरोपी के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर जल्द आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की। इंस्पेक्टर महेश जोशी ने बताया कि पीड़ित पक्ष की ओर से ग्राम प्रधान के भाई शहरान पुत्र मनसब, निवासी ग्राम भगवानपुर चंदनपुर द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर एक अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया गया है।

अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

रुडक़ी। अवैध शराब की तस्करी के आरोप में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से अवैध शराब के पव्वे बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी ऐक्ट में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने गश्त के दौरान कोतवाली क्षेत्र के गांव निजामपुर स्थित निर्माणाधीन मंदिर के पास से एक युवक को संदिग्ध हालात में गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से अवैध शराब के 50 पव्वे बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम विनित कुमार, निवासी ग्राम निजामपुर बताया है।

कॉलेज प्रबंध समिति ने प्रवक्ता को हटाया, जांच के आदेश

रुडक़ी। पथरी क्षेत्र के कॉलेज की प्रबंध समिति ने मानदेय पर तैनात हिंदी प्रवक्ता को नौकरी से हटा दिया। प्रवक्ता ने प्रबंध समिति पर नियमित कराने के लिए 12 लाख रुपये लेकर हड़पने की शिकायत की है। सीईओ ने इसकी जांच करने के आदेश दिए हैं। बीईओ लक्सर इसके जांच अधिकारी होंगे। पथरी थाना क्षेत्र के गांव में एक वित्तविहीन मान्यता प्राप्त कॉलेज है। कॉलेज की प्रबंध संचालन समिति ने वर्ष 2012 में लक्सर के सुल्तानपुर निवासी जयकुमार पुत्र धर्मपाल को मानदेय के आधार पर हिंदी प्रवक्ता के पद पर तैनाती दी भी। उन्हें हर महीने मानदेय का भुगतान भी किया जा रहा था। दस साल काम करने के बाद फरवरी 2023 में प्रबंध समिति ने उन्हें नौकरी से निकाल दिया। जयकुमार की मानें तो निकालने से पहले उन्हें न कोई नोटिस मिला, और न ही इसकी वजह बताई गई। इस कार्रवाई को एकतरफा बताते हुए जयकुमार ने इसकी शिकायत शासन प्रशासन से की थी। आरोप था कि कॉलेज को वित्तीय सहायता देने की फाइल पर उत्तराखंड शासन में कार्रवाई चल रही है। प्रबंध समिति ने उनसे नियमित कराने के नाम पर 12 लाख रुपये भी लिए थे। अब इस पद पर अपने किसी दूसरे चहेते को पक्की नौकरी देने के लिए उन्हें गलत तरीके से हटाया गया है। शिकायत पर मुख्य शिक्षा अधिकारी हरिद्वार कमलेश कुमार गुप्ता ने इसकी जांच के आदेश दिए हैं।

संक्षिप्त खबरें

छात्रों ने आचार्य चरक की जयंती मनाई

रुडक़ी। बिशंभर सहाय आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर ने चरक जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान बीएएमएस के छात्रों ने अपने-अपने व्याख्यान पेश किए। संस्थान के कोषाध्यक्ष सौरभ भूषण शर्मा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सचिव चंद्र भूषण शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद का क्षेत्र बहुत व्यापक है। आयुर्वेद की शिक्षा सबसे प्राचीन शिक्षा में से एक है। कोषाध्यक्ष सौरव भूषण शर्मा ने कहा कि पूरे विश्व में आयुर्वेद में प्रथम चिकित्सक के रूप में आचार्य चरक का नाम लिया जाता है। उन्होंने आयुर्वेद को नई दिशा और ऊंचाई दी। प्रबंध निदेशक गौरव भूषण शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद की शिक्षा में सबसे अधिक महत्व आचार्य चरक की बताई हुई शिक्षा का है। कार्यक्रम में आयोजित व्याख्यान प्रतियोगिता में शाह नवाज और शाहबाज प्रथम, भावना और अंजलि ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ. जे लांबा, डॉ. कुनिका, डॉ. गालिब, डॉ. प्रीति लांबा, डॉ. साहेब और शबनम, स्मृति, नाजिश, प्राची, अंजलि, भावना, बिलाल, तीर्थ, सरफराज, शाहनवाज, शाहबाज, गुलशन यादव आदि मौजूद रहे।

देसी शराब के 52 पव्वों के साथ एक गिरफ्तार

रुडक़ी। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र राठी ने बताया कि इकबालपुर चौराहे के पास चेकिंग के दौरान पुलिश ने व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली। उसके पास से देसी शराब के 52 पव्वे बरामद हुए। थाने लाकर पूछताछ में उसने अपना नाम विशाल निवासी ग्राम अकबरपुर फाजिलपुर बताया। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया।

घर में घुसकर मारपीट का आरोप

रुडक़ी। एक ग्रामीण ने तीन लोगों पर घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। सिकरोड़ा गांव निवासी इरफान ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गांव के तीन लोग उनके घर में घुस गए और उनके बच्चों के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधर पर तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।